संस्कृति IAS

SDM बनने के सपने को करें साकार, टीम संस्कृति के साथ

UPPCS Mains 2025

क्रैश कोर्स / मेंटरशिप प्रोग्राम

920 सीटों के लिए

100 दिवसीय कार्यक्रम

परिचय पुस्तिका

- उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा का परिचय
- परीक्षा की प्रक्रिया
- परीक्षा के लिए पात्रता और पाठ्यक्रम
- प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम
- कैसे करें मुख्य परीक्षा की तैयारी
- क्रैश कोर्स/मेंटरशिप टेस्ट का शेड्यूल

कार्यक्रम की विशेषताएँ

- प्रत्येक प्रश्नपत्र का गहन विश्लेषण
- विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का प्रकृति एवं मॉडल आन्सर के माध्यम से विश्लेषण
- इस वर्ष की परीक्षा के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण टॉपिक्स का मॉडल प्रश्नोत्तर फॉर्मेट में अध्यापन
- सामान्य हिंदी
- निबंध पर फोकस विशेष कक्षाएँ
- अभ्यर्थियों की शंकाओं का समाधान सीधे शिक्षकों द्वारा

- मोड : ऑफलाइन / ऑनलाइन
- एग्जाम ओरिएंटेड अभ्यास हेतु 12 फुल टेस्ट
- सीटें सीमित
- रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

Fee	Offline	Online
~~₹15,000~~	₹9,500	₹7,500

हेड ऑफिस: 636, भू-तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

प्रयागराज केंद्र : महाराणा प्रताप चौराहा, स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उ.प्र.

SANSKRITIIAS.COM

FOLLOWS US ON:

प्रयागराज केंद्र
05324070075 / 9151013397

ऑनलाइन
9555-124-124

यू.पी.पी.सी.एस. (UPPCS)

उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा का परिचय

उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली एक महत्त्वपूर्ण राज्य स्तरीय परीक्षा है। इसके माध्यम से प्रशासनिक, राजस्व, पुलिस, शिक्षा, नगर विकास, समाज कल्याण, कृषि और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न विभागों के लिए राजपत्रित अधिकारियों की भर्ती की जाती है। इस परीक्षा के माध्यम से चयनित अधिकारी सीधे राज्य सरकार के प्रशासनिक ढाँचे का हिस्सा बनते हैं और तहसील या जिले अथवा मंडल स्तर पर विभिन्न महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। वास्तव में यह परीक्षा किसी युवा के लिए न केवल करियर के द्वार खोलती है, बल्कि राज्य के नागरिकों की सेवा और सामाजिक परिवर्तन में योगदान देने का अवसर भी प्रदान करती है। इसलिए इस परीक्षा की तैयारी में रणनीतिक योजना, धैर्य और विषयों की गहन समझ महत्त्वपूर्ण है।

परीक्षा प्रक्रिया

यूपी पीसीएस परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। प्रारंभिक परीक्षा दो वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्रों से मिलकर बनी होती है- सामान्य अध्ययन-I (इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और समसामयिक घटनाएँ) और सामान्य अध्ययन-II (CSAT), जिसमें तार्किक योग्यता, गणित, हिंदी और अंग्रेजी भाषा का मूल्यांकन होता है। यह चरण केवल उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा के लिए योग्य बनाने के उद्देश्य से स्क्रीनिंग टेस्ट होता है।

मुख्य परीक्षा में 8 वर्णनात्मक प्रश्नपत्र शामिल होते हैं, जो उम्मीदवारों के गहन ज्ञान, विश्लेषणात्मक क्षमता और लेखन कौशल का परीक्षण करते हैं। इसमें सामान्य हिंदी, निबंध लेखन, सामान्य अध्ययन के छः प्रश्नपत्र (इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, विज्ञान , एथिक्स, राज्य विशेष और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ की सामाजिक-आर्थिक नीतियाँ) शामिल होते हैं। यह चरण परीक्षा का सबसे चुनौतीपूर्ण भाग माना जाता है, क्योंकि इसमें विस्तृत अध्ययन और समय प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

अंतिम चरण साक्षात्कार होता है, जिसमें उम्मीदवार के व्यक्तित्व, संचार कौशल, और प्रशासनिक दृष्टिकोण का आकलन किया जाता है। इसमें प्राप्त अंक मैरिट लिस्ट में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा का महत्त्व इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि यह राज्य सरकार में उच्च प्रशासनिक पदों पर कार्य करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे चयनित अधिकारी राज्य की नीतियों के क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में उपजिलाधिकारी (SDM), पुलिस उपाधीक्षक (DSP), खंड विकास अधिकारी (BDO), नायब तहसीलदार, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी इत्यादि पदों पर नियुक्त किया जाता है।

पीसीएस परीक्षा के लिए पात्रता और पाठ्यक्रम

इस परीक्षा में भाग लेने के लिए उम्मीदवार की आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जिसमें आरक्षित वर्गो को नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। शैक्षिक योग्यता के रूप में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री आवश्यक है। अगर हम मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम की बात करें तो इसमें इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, आंतरिक सुरक्षा और शासन व्यवस्था जैसे विषय शामिल होते हैं। सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र 5 और 6 में राज्य विशेष पर आधारित पाठ्यक्रम पर जोर दिया जाता है। जैसे उत्तर प्रदेश की संस्कृति, इतिहास, अर्थव्यवस्था और वर्तमान नीतियाँ इत्यादि, साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक विषयों को भी शामिल किया जाता है।

कैसे करें मुख्य परीक्षा की तैयारी

इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रतिवर्ष कई लाख उम्मीदवार आवेदन करते हैं। इनमें से कुछ ही हज़ार उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए क्वालिफाई कर पाते हैं। इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि इस परीक्षा में कठिनाई का स्तर निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस लिहाज से परीक्षा में सफलता के लिए समर्पित अध्ययन, नियमित रूप से समसामयिक घटनाओं पर नज़र और मॉक टेस्ट के माध्यम से अभ्यास करके सफलता अर्जित की जा सकती है। इसके लिए अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा जारी परीक्षा पाठ्यक्रम और विगत वर्षों में आए हुए प्रश्नों को आधार बनाकर अपनी रणनीति को तैयार करना चाहिए।

यद्यपि अभ्यर्थियों के लिए सही दिशा में निरंतरता बनाए रखना आमतौर पर कठिन होता है, इसको ध्यान में रखते हुए संस्कृति IAS ने यूपी पीसीएस मुख्य परीक्षा, 2025 के लिए 100 दिवसीय क्रैश कोर्स/मेंटरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है। अभ्यर्थी इस कार्यक्रम से जुड़कर एक निश्चित अवधि में अपनी तैयारी को मुकम्मल बना सकते हैं।

तीन चरणीय परीक्षा का प्रथम चरण (वस्तुनिष्ठ) प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्नपत्र-I

सामान्य अध्ययन (200 अंक)

सामान्य अध्ययन पाठ्यक्रम

- इतिहास
- राजव्यवस्था
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
- सामान्य विज्ञान
- उत्तर प्रदेश विशेष
- जनसंख्या एवं नगरीकरण
- समसामयिकी

प्रश्नपत्र-II

सीसैट (200 अंक)

सिविल सर्विसेज़ एप्टीट्यूड टेस्ट (CSAT) पाठ्यक्रम

- कॉम्प्रिहेन्सन (विस्तारीकरण)
- अंतर्वैयक्तिक क्षमता जिसमें संप्रेषण कौशल भी समाहित होगा
- तार्किक एवं विश्लेषणात्मक योग्यता
- निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान
- सामान्य बौद्धिक योग्यता
- प्रारंभिक गणित हाईस्कूल स्तर तक
- सामान्य अंग्रेज़ी
- सामान्य हिंदी

द्वितीय चरण (लिखित परीक्षा) मुख्य परीक्षा

सामान्य हिंदी	निबंध	प्रश्नपत्र-I	प्रश्नपत्र-II	प्रश्नपत्र-III	प्रश्नपत्र-IV	प्रश्नपत्र-V	प्रश्नपत्र-VI
(150 अंक)	(150 अंक)	सामान्य अध्ययन (200 अंक)	सामान्य अध्ययन (200 अंक)	सामान्य अध्ययन (200 अंक)	सामान्य अध्ययन (200 अंक)	सामान्य अध्ययन (200 अंक)	सामान्य अध्ययन (200 अंक)

नोट : 2023 से वैकल्पिक विषय को समाप्त करके आयोग ने सामान्य अध्ययन में प्रश्नपत्र-V और VI को शामिल किया है, जो उ०प्र० विशेष से संबंधित हैं।

तृतीय चरण

व्यक्तित्व परीक्षण– 100 अंक

व्यक्तित्व परीक्षण	–	100 अंक
लिखित परीक्षा कुल प्राप्तांक	–	1500 अंक
कुल योग	–	1600 अंक

नोट: उम्मीदवार द्वारा प्रारंभिक परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न के दिए गए गलत उत्तर के लिए प्रश्न हेतु नियत किए गए अंकों का एक-तिहाई दंड के रूप में (2018 से) काटने का प्रावधान है।

मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

सामान्य हिंदी

1. दिए हुए गद्य खंड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर।
2. संक्षेपण
3. सरकारी एवं अर्द्धसरकारी पत्र लेखन, तार लेखन, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, परिपत्र
4. शब्द ज्ञान एवं प्रयोग
   (अ) उपसर्ग एवं प्रत्यय प्रयोग
   (ब) विलोम शब्द
   (स) वाक्यांश के लिए एक शब्द
   (द) वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि
5. लोकोक्ति एवं मुहावरे

निबंध

निबंध हिंदी, अंग्रेज़ी अथवा उर्दू में लिखे जा सकते हैं। निबंध के प्रश्न-पत्र में 3 खंड होंगे। प्रत्येक खंड से एक-एक विषय पर 700 (सात सौ) शब्दों में निबंध लिखना होगा। प्रत्येक खंड 50-50 अंकों का होगा। तीनों खंडों में निम्नलिखित विषयों पर आधारित निबंध के प्रश्न होंगे-

खंड (क)

1. साहित्य और संस्कृति
2. सामाजिक क्षेत्र
3. राजनैतिक क्षेत्र

खंड (ख)

1. विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी
2. आर्थिक क्षेत्र
3. कृषि, उद्योग एवं व्यापार

खंड (ग)

1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
2. प्राकृतिक आपदाएँ- भू-स्खलन, भूकंप, बाढ़, सूखा आदि
3. राष्ट्रीय विकास योजनाएँ एवं परियोजनाएँ

सामान्य अध्ययन-I

1. भारतीय संस्कृति के इतिहास में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला-रूप, साहित्य एवं वास्तुकला के महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे।
2. आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई. से 1947 ई. तक) - महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व एवं समस्याएँ इत्यादि।
3. स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
4. स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई. तक)
5. विश्व के इतिहास में 18वीं सदी से बीसवीं सदी के मध्य तक की घटनाएँ, जैसे- फ्राँसीसी क्रांति 1789, औद्योगिक क्रांति, विश्वयुद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शनशास्त्र, जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद, नाज़ीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव इत्यादि शामिल होंगे।

6. भारतीय समाज और संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ।
7. महिला-समाज और महिला-संगठनों की भूमिका, जनसंख्या तथा संबद्ध समस्याएँ, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और समाधान।
8. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय और उनका भारतीय समाज के अर्थव्यवस्था, राज्य व्यवस्था और समाज संरचना पर प्रभाव।
9. सामाजिक सशक्तीकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।
10. विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण- जल, मिट्टियाँ एवं वन, दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)।
11. भौतिक भूगोल की प्रमुख विशिष्टताएँ- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी क्रियाएँ, चक्रवात, समुद्री जल धाराएँ, पवन एवं हिम सरिताएँ।
12. भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता।
13. मानव प्रवास- विश्व की शरणार्थी समस्या- भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
14. सीमांत तथा सीमाएँ- भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
15. जनसंख्या एवं अधिवास- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर एवं स्मार्ट ग्राम।

सामान्य अध्ययन-II

1. भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान तथा आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका।
2. संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ।
3. केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों में वित्त आयोग की भूमिका।
4. शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएँ, वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों का उदय एवं उनका प्रयोग।
5. भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना।
6. संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय।
7. कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित याचिका (पी.आई.एल.)।
8. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ।
9. विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य तथा उनके उत्तरदायित्व।
10. सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय, नीति आयोग समेत- उनकी विशेषताएँ एवं कार्य भाग।
11. सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप, उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के मुद्दे एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई. सी.टी.)।
12. विकास प्रक्रियाएँ- गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, विभिन्न समूह एवं संघ, अभिदाता, सहायतार्थ संस्थाएँ, संस्थागत एवं अन्य अंशधारक।
13. केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति-संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति-संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
14. स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास एवं प्रबंधन से संबंधित विषय।
15. गरीबी और भूख से संबंधित विषय एवं राजनैतिक व्यवस्था के लिए इनका निहितार्थ।
16. शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेन्स- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ, नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत व अन्य उपाय।
17. लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका।
18. भारत एवं अपने पड़ोसी देशों से उसके संबंध।
19. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
20. भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
21. महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश तथा उनका कार्य भाग।
22. क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक घटनाक्रम।

सामान्य अध्ययन-III

1. भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (एन.आई.टी.आई.) आयोग की भूमिका, सतत् विकास के लक्ष्य (एस.डी.जी.)।
2. गरीबी के मुद्दे, बेरोज़गारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास।
3. सरकार के बजट के अवयव तथा वित्तीय प्रणाली।
4. प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी।

5. अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली- उद्देश्य, क्रियान्वयन, परिसीमाएँ, सुदृढ़ीकरण, खाद्य सुरक्षा एवं बफर भंडार, कृषि में तकनीकी अभियान।
6. भारत में खाद्य प्रसंस्करण व संबंधित उद्योग- कार्य क्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान निर्धारण, ऊर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन।
7. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार।
8. भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक विकास पर प्रभाव।
9. आधारभूत संरचना : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि।
10. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग।
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, द्विअनुप्रयोगी एवं तकनीकी उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ।
12. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, ऊर्जा स्रोतों, नैनो-प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जागरूकता। बौद्धिक संपदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से संबंधित मुद्दे।
13. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन संरक्षण, जैव-विविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय संघात आकलन।
14. आपदा : गैर-पारंपरिक सुरक्षा एवं संरक्षा की चुनौती के रूप में, आपदा शमन एवं प्रबंधन।
15. अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ : आणविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तंत्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउन्डरिंग तथा मानव तस्करी।
16. भारत की आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ : आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बगावत तथा संगठित अपराध।
17. सुरक्षा बलों की भूमिका, प्रकार तथा शासनाधिकार, भारत का उच्च रक्षा संगठन।
18. कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।

सामान्य अध्ययन-IV

1. **नीतिशास्त्र तथा मानवीय अंत:संबंध** : मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम : नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र।
   मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा, मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
2. **अभिवृत्ति** : अंतर्वस्तु (कंटेन्ट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना।
3. सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा।
4. **संवेगात्मक बुद्धि** : अवधारणाएँ तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग।
5. भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान।
6. **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र** : स्थिति तथा समस्याएँ, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएँ, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतरात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे, कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था।
7. **शासन व्यवस्था में ईमानदारी** : लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।
8. उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

सामान्य अध्ययन-V

1. उ.प्र. का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर।
2. उ.प्र. की वास्तुकला, उसकी महत्ता एवं रख- रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्त्व।
3. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 1857 से पहले एवं बाद में उ.प्र. का योगदान।
4. उ.प्र. के सुविख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व।
5. उ.प्र. में ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय मुद्दे : सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोक नृत्य, भाषा एवं साहित्य/बोली, सामाजिक प्रथाएँ एवं पर्यटन।
6. उ.प्र. की राजव्यवस्था - शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद्, विधान सभा एवं विधान परिषद्, केंद्र-राज्य संबंध।
7. उ.प्र. में लोक सेवाएँ, लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र।
8. उ.प्र.-विशेष राज्य चयन मानदंड, राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग।

9. उ.प्र. में स्थानीय स्वशासन : शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार संबंधी मुद्दे।
10. उ.प्र.-सुशासन, भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेन्स, सूचना का अधिकार, समाधान योजना।
11. उ.प्र. में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव।
12. उ.प्र. में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे :-
    (i) उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच संबध।
    (ii) बाह्य, राज्य एवं अंतर-राज्यीय सक्रियकों से आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ पैदा करने में संचार नेटवर्कों, मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका।
    (iii) साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम, कालेधन को वैध बनाना एवं इसकी रोकथाम।
    (iv) विभिन्न सुरक्षा बल एवं एजेंसियाँ और उनके शासनादेश/ अधिकार-पत्र।
    (v) सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन, संगठित अपराधों का आतंकवाद से संबंध।
13. उ.प्र. में कानून व्यवस्था एवं नागरिक अधिकार सुरक्षा।
14. उ.प्र. में स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय मुद्दे।
15. उ.प्र. में शिक्षा प्रणाली।
16. भारत के विकास में उ.प्र. की भूमिका।
17. उ.प्र. की समसामयिक घटनाएँ।
18. जल शक्ति मिशन एवं अन्य केंद्रीय योजनाएँ एवं उनका क्रियान्वयन।
19. उ.प्र. में गैर-सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) : मुद्दे, योगदान एवं प्रभाव।
20. उ.प्र. में पर्यटन : मुद्दे एवं संभावनाएँ।
21. उ.प्र. में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार : इसके मुद्दे एवं इसका समाज में रोज़गार एवं सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव।

सामान्य अध्ययन-VI

1. उ.प्र. का आर्थिक परिदृश्य : अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएँ, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व।
2. उ.प्र. का व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग।
3. उ.प्र. सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास।
4. उ.प्र. में निवेश : मुद्दे एवं प्रभाव।
5. उ.प्र. की लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक ज़िला एक उत्पाद नीति।
6. उ.प्र. में नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की योजना एवं प्रबंधन।
7. उ.प्र. की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना।
8. उ.प्र. में कृषि का व्यवसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन।
9. उ.प्र. की नवीन वानिकी नीति।
10. उ.प्र. की कृषि एवं सामाजिक वानिकी।
11. उ.प्र. में कृषि विविधता, कृषि की समस्याएँ एवं उनका समाधान।
12. उ.प्र. के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक।
13. उ.प्र. का भूगोल - भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु, सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति।
14. उ.प्र. में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य।
15. उ.प्र. में परिवहन तंत्र।
16. उ.प्र. में औद्योगिक विकास, शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना।
17. उ.प्र. में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे, प्रदूषण नियंत्रण परिषद् एवं इनके कार्य।
18. उ.प्र. के प्राकृतिक संसाधन- मृदा, जल, वायु, वन, घास-मैदान, आर्द्रभूमि।
19. उ.प्र. के जलवायु परिवर्तन एवं मौसम पूर्वानुमान से संबंधित मुद्दे।
20. उ.प्र. के संदर्भ में अधिवास पारिस्थितिकी तंत्र - संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जंतु एवं वनस्पतियाँ।
21. उ.प्र. में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे, प्रसार एवं प्रयत्न।
22. उ.प्र. में मत्स्य, अंगूर, रेशम, फूल, बागवानी एवं पौध उत्पादन तथा उ.प्र. के विकास में इनका प्रभाव।
23. उ.प्र. के विकास में सार्वजनिक एवं निजी साझेदारी को प्रोत्साहित करना।

❑❑❑

परीक्षा में सम्मिलित एवं चयनित अभ्यर्थियों की संख्या

वर्ष	आवेदन करने वाले अभ्यर्थी	प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थी	प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी	मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी	साक्षात्कार में उत्तीर्ण अभ्यर्थी
2016	–	2,50,696	14,615	1,935	633
2017	4,55,297	2,46,654	14,032	2,029	677
2018	6,35,844	3,98,630	19,096	2,669	976
2019	5,44,664	3,18,147	6,320	811	434
2020	5,95,696	3,14,699	5,393	845	476
2021	6,91,173	3,21,273	7,688	1,285	627
2022	6,02,974	3,29,310	5,964	1,070	364
2023	5,65,459	3,45,022	4,047	451	251
2024	5,76,154	2,43,111	15,066	Mains Result Waiting	
2025	6,26,387	2,67,340	11,727	–	–

अंतिम वरीयता सूची में शामिल अभ्यर्थियों के न्यूनतम कट-ऑफ अंक

वर्ग	2018	2019	2020	2021	2022	2023
अनारक्षित (UR)	786	780	858	837	868	838
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	742	758	814	800	854	833
आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS)	–	761	824	849	862	835
अनुसूचित जाति (SC)	716	709	782	774	821	807
अनुसूचित जनजाति (ST)	662	661	781	–	814	–

SDM और DySP पद के लिए अंतिम वरीयता सूची में शामिल अभ्यर्थियों के न्यूनतम कट-ऑफ अंक

वर्ग	2018		2019		2020		2021		2022		2023	
	SDM	DySP	SDM	DySP	SDM	DySP	SDM	DySP	SDM	DySP	SDM	DySP
अनारक्षित (UR)	954	927	909	–	917	–	898	888	912	886	857	841
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	924	903	889	–	881	–	879	862	890	860	840	828
आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS)	–	–	892	–	876	–	880	870	912	869	847	830
अनुसूचित जाति (SC)	892	867	846	–	844	–	851	836	874	833	829	810
अनुसूचित जनजाति (ST)	827	818	–	–	945	–	–	793	–	827	–	–

UPPCS Mains 2025 Crash Course/Mentorship Test Schedule

टेस्ट संख्या/दिनांक	प्रश्नपत्र	पाठ्यक्रम
Test 01 [2601] 14 दिसंबर, 2025 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट सामान्य हिंदी अधिकतम अंक: 150	संपूर्ण पाठ्यक्रम (Complete Syllabus)
Test 02 [2602] 21 दिसंबर, 2025 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट निबंध अधिकतम अंक: 150	संपूर्ण पाठ्यक्रम (Complete Syllabus)
Test 03 [2603] 04 जनवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-I अधिकतम अंक: 200	भारतीय विरासत एवं संस्कृति, आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास, भारतीय समाज, भारत एवं विश्व का भूगोल + समसामयिकी Indian Heritage and Culture, History of the Modern India and the World, Indian Society, Geography of India and the World + Current affairs
Test 04 [2604] 11 जनवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-II अधिकतम अंक: 200	भारतीय संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध + समसामयिकी Indian Constitution, Political System, Social Justice and International Relations + Current affairs
Test 05 [2605] 18 जनवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-III अधिकतम अंक: 200	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन + समसामयिकी Science and Technology, Economic Development, Biodiversity, Environment, Security and Disaster Management + Current affairs
Test 06 [2606] 25 जनवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-IV अधिकतम अंक: 200	नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि एवं केस स्टडी Ethics, Integrity and Aptitude & Case Studies
Test 07 [2607] 08 फरवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-V अधिकतम अंक: 200	उत्तर प्रदेश विशेष Uttar Pradesh Special
Test 08 [2608] 15 फरवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-VI अधिकतम अंक: 200	उत्तर प्रदेश विशेष Uttar Pradesh Special

Test 09 [2609] 22 फरवरी, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-I + प्रश्नपत्र-V + प्रश्नपत्र-VI अधिकतम अंकः 200	भारतीय विरासत एवं संस्कृति, आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास, भारतीय समाज, भारत एवं विश्व का भूगोल + उत्तर प्रदेश का इतिहास, सभ्यता एवं संस्कृति + उत्तर प्रदेश की सामाजिक संरचना एवं सामाजिक प्रथाएँ + उत्तर प्रदेश का भूगोल + समसामयिकी Indian Heritage and Culture, History of the Modern India and the World, Indian Society, Geography of India and the World + History, Civilization and Culture of Uttar Pradesh + Social Structure and Social Customs of Uttar Pradesh + Geography of Uttar Pradesh + Current affairs
Test 10 [2610] 08 मार्च, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-II + प्रश्नपत्र-V अधिकतम अंकः 200	भारतीय संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध + उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था + उत्तर प्रदेश में सुशासन + उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय + समसामयिकी Indian Constitution, Political System, Social Justice and International Relations + Political System of Uttar Pradesh + Good Governance in Uttar Pradesh + Social Justice in Uttar Pradesh + Current affairs
Test 11 [2611] 15 मार्च, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-III + प्रश्नपत्र-V + प्रश्नपत्र-VI अधिकतम अंकः 200	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन + उत्तर प्रदेश का आर्थिक परिदृश्य + उत्तर प्रदेश में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे + उत्तर प्रदेश में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे + उत्तर प्रदेश में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे + उत्तर प्रदेश में कृषि एवं सामाजिक वानिकी + समसामयिकी Science and Technology, Economic Development, Biodiversity, Environment, Security and Disaster Management + Overview of Economy of Uttar Pradesh + Science and Technology related Issues in Uttar Pradesh + Pollution and Environmental Issues in Uttar Pradesh + Issues Related to Security in Uttar Pradesh + Agro and Social Forestry in Uttar Pradesh + Current affairs
Test 12 [2612] 22 मार्च, 2026 12:00 pm-03:00 pm	फुल टेस्ट प्रश्नपत्र-IV अधिकतम अंकः 200	नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि एवं केस स्टडी Ethics, Integrity and Aptitude & Case Studies

प्रयागराज केंद्र

संस्कृति IAS

जहाँ एक नहीं, हर शिक्षक है श्रेष्ठ

सामान्य अध्ययन

फाउंडेशन कोर्स (प्रिलिम्स + मेन्स)

नि:शुल्क कार्यशाला

द्वारा : श्री अखिल मूर्ति

15 दिसंबर

11:00 AM

प्रयागराज केंद्र : महाराणा प्रताप चौराहा, स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उ.प्र.

हेड ऑफिस : 636, भू-तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-09

05324070075
9151013397

To register, visit
sanskritiias.com